

ВТОРО СКЛОНЕНИЕ.

47. — Тукъ са падатъ съществителныгъ женскій родъ съ окончаніята *а*, *я* или *ь*, отъ които *а* въ множ. число са измѣнява на *ы*, а *я* и *ь* на *и*; като *вода* — *воды*, *земля* — *земли*, *кость* — *кости*, и др. безъ исключение и на оиѣзи думы които въ крайния си слогъ имать *г*, *к*, *х*, или шипящигъ *ж*, *ч*, *щ*: напр. *книга* — *книгы*, *драка* — *дракы*, *снаха* — *снахы*, *кожа* — *кожы*, *плоча* — *плочы*, *чаша* — *чашы*.

48. — Примѣры на второго склонение за имена женскій родъ, които окончаватъ :

1. на *а*, мн. ч. *ы*, съ удар. на послѣдния слогъ.

| | Ч. Е. | Ч. М. |
|----|------------------|------------------|
| И. | главата | главыгъ |
| Р. | на (отъ) главата | на (отъ) главыгъ |
| Д. | на главата | на главыгъ |
| В. | главата | главыгъ |
| З. | главо | главы. |

Тѣй са скланягъ: *вода*, *гора*, *душа*, *елѣа*, *звѣзда*, *жсена*, *овца*, *роса*, *рѣка*, *рѣка*, *снаха*, *снага*, *трѣва* и други. — *Мома* прави зв. пад. е. ч. *моме* и *момие*! *рѣка* множ. прави *рѣцы* и *рѣцѣ* (двойствен. ч.).

2. на *а*, множ. *ы*, съ ударение на първия или предпослѣдния слогъ.

| | Ч. Е. | Ч. М. |
|----|-------------------|-------------------|
| И. | тополата | тополыгъ |
| Р. | на (отъ) тополата | на (отъ) тополыгъ |
| Д. | на тополата | на тополыгъ |
| В. | тополата | тополыгъ |
| З. | тополо | тополы. |